उत्तर प्रदेश मे विकास केन्द्रों का पुनः निर्धारण

6428. **चौधरी हरमोहन सिंह:**
श्री आस मोहम्मद:

क्या प्रधान मंत्री 5 मई, 1994 को राज्य सभा मे अतारांकित प्रश्न संख्या 5925 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित विकास केन्द्रों के पुनःनिर्धारण के संबंध में कोई निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) से (ग) पौड़ी गढ़वाल जैसे मूल स्थापना-स्थल को बरकरार रखने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त संशोधित प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा मंजूर कर लिया गया है और उक्त निर्णय के बारे में राज्य सरकार को बता दिया गया है।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

6429. **चौधरी हरमोहन सिंह:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मार्च, 1994 के अन्त तक सार्वजनिक उपक्रमों की संख्या कितनी थी;

(ख) इन उद्यमों में कुल कितना पूंजी निवेश किया गया है;

(ग) क्या इस पूंजी में विदेशों से ऋण के रूप मे ली गई पूंजी भी सम्मिलित है;

(घ) यदि हां, तो विदेशी ऋण से प्राप्त पूंजी कितनी है;

(ङ) वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान इन उपक्रमों को कितना वार्षिक वित्तीय घाटा हुआ और इनमें से प्रत्येक वर्ष के अन्त में इन उद्योगों में कितनी पूंजी लगी हुई थी; और

(च) सरकार ने इन उद्योगों द्वारा उठाए जा रहे घाटे को रोकने के लिए क्या कदम उठाए है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) और (ग) 31.3.1994 तक केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के 246 उद्यम थे और उनमें कुल 16332 करोड़ रुपए का पूंजीनिवेश किया गया था।

(ग) जी, हां।

(घ) विदेशी ऋण का उद्यम-वार ब्यौरा 22.3.1995 को संसद में प्रस्तुत लोक उद्यम सर्वेक्षण, 1993-94 के खण्ड-1 के विवरण संख्या 18 के अन्तर्गत वि०पृ० 106 से 113 तक पर उपलब्ध है।

(ङ) विगत तीन वर्ष के दौरान हानि का उद्यम वार ब्यौरा उपर्युक्त लोक उद्यम सर्वेक्षण के खण्ड-1 के विवरण सं० 7(ख) के अन्तर्गत वि० पृ० 46 से 49 तक पर उपलब्ध है जबकि वर्ष 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 में पूंजी निवेश का उद्यम-वार ब्यौरा सर्वेक्षण के खण्ड-1 के विवरण सं० 16 के अन्तर्गत दिया गया है।

(च) हानि के नियंत्रित करने/लाभकारिता में सुधार करने सम्बन्धी कार्य उद्यम विशेष की आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग होते हैं। बहरहाल, इस संबंध में किए जाने वाले कुछ उपायों में प्रशासनिक मंत्रालयों द्वारा सरकारी उद्यमों के कार्य-निष्पादन की समीक्षा हेतु आवधिक बैठकों का आयोजन, निदेशक मण्डलों को अधिक शक्तियों का प्रत्यायोजन तथा उनका व्यावसायीकरण, रुग्ण सरकारी उद्यमों को औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल को सुपुर्दगी, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के माध्यम से आवश्यकता से अधिक कर्मचारियों की संख्या में कमी, प्रौद्योगिकी समुत्रयन, अनुसंधान एवं विकास आदि शामिल हैं।

Performance of HMT International

6430. SHRI S. MUTHU MANI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the HMT International, a division of Hindustan Machine Tools Limited (HMTL) has not done well in terms of export of its products during the financial year 1994-95;

(b) what is the total amount earned by way of exports through HMT International during the financial year 1994-95;

(c) whether it is also a fact that the HMT Limited is planning to close down its offices at Australia and Iran,